केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रारंभ

रविवार, १६ जुलाई, २०१७ **समय : सुबह ९.०० से १२.००** **कुल गुण : १००**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (४)	
	३ (४)	
	४ (५)	
	५ (८)	
	६ (६)	
	विभाग-१, कुल गुण (३६)	

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (६)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	विभाग-२, कुल गुण (३०)	

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१२ (४)	
	१३ (८)	
	१४ (४)	
	१५ (८)	
	१६ (५)	
	१७ (५)	
	विभाग-३, कुल गुण (३४)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम

प्रारंभ

विभाग - १ : घनश्याम चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''ठीक है मैं वहीं जा रहा हूँ।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

.....

.....

..... गुण : ३

२. ''खाओ-पीओ और मौज़ करो। व्रत-उपवास सबकुछ व्यर्थ है।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

.....

.....

..... गुण : ३

३. ''कृपया मुझे अपनी सेवा का अवसर दीजिए।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

.....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ४		नाम

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ४)

१. धर्मदेव ने बावाओं की बात की तब घनश्याम ने क्या कहा? गुण : १

.....

.....

.....

२. घनश्याम ने बंदर को क्या दिया? गुण : १

.....

.....

.....

३. घनश्याम ने सिद्धियों को कब भोजन लाने के लिए कहा? गुण : १

.....

.....

.....

४. घनश्याम ने सुवासिनी भाभी को क्या बनाने को कहा? गुण : १

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ४		नाम

प्र. ३ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए। (कुल गुण : ४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. **गौरी गाय की खोज में :** रामप्रताप ने देखा तो वहाँ एक विकराल शेर उनकी ओर आग बरसाती नज़रों से देख रहा था। गाय की सुगन्ध आते ही वह दहाड़ता हुआ उठ बैठा।

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **चीड़ियों को समाधि :** रामदेवजी चिंतित हो गए कि 'इतनी सारी मोरनी मर तो नहीं गई?' तभी अचानक ईच्छाराम ने पुकार लगाई और सारी मोरनी फररर करती हुई खेत में उड़ गईं।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **प्रभु का नामकरण :** यह चन्द्र पर एकांतिक भक्ति की स्थापना करेगा तथा गाँव लोगों के दु:खों का नाश करेगा। चन्द्र और मंगल में चारों ओर आपकी कीर्ति प्रसारित होगी।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **महावत की रक्षा :** छपिया में सुखदेव नामक एक व्यापारी व्यक्ति रहते थे। उन्होंने एक सफेद अश्व पाल रखा था।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ४ गुण - ५		नाम

प्र. ४ निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी <u>एक</u> प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए।
(विवरण आवश्यक नहीं है।) (कुल गुण : ५)

१. रामचन्द्र के रूप में दर्शन　　२. रामदयाल को दर्शन

१. .....

.....

.....

२. .....

.....

.....

३. .....

.....

.....

४. .....

.....

.....

५. .....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ८		नाम

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. काशी की सभा में दिग्विजय — गुण : २ ☐

(१) ☐ अद्वैतवादी ने कहा कि केवल परब्रह्म ही सत्य हैं।

(२) ☐ अपनी रुचि विशिष्टाद्वैत मत में बता दी।

(३) ☐ राजा ने घनश्याम का निर्णय मान्य रखा।

(४) ☐ काशी के दीवान ने बड़े यज्ञ का आयोजन किया।

२. कालिदत्त मृत्यु की शरण में — गुण : २ ☐

(१) ☐ ईच्छाराम खेलने के लिए चलें।

(२) ☐ घनश्याम को मारने के लिए आगे बढ़ा।

(३) ☐ घनश्याम आम के पेड़ पर जाकर बैठे थे।

(४) ☐ बच्चें इमलीवृक्ष के खोखले में छिप गए।

३. सरयू के किनार — गुण : २ ☐

(१) ☐ ब्रह्मचारी का वेश

(२) ☐ कालिय राक्षस ने घक्का देकर फेंक दिया।

(३) ☐ आषाढ़ शुकला एकादशी।

(४) ☐ किसी भी हालात में घर नहीं जाना था।

४. चीड़ियों को समाधि — गुण : २ ☐

(१) ☐ तुम्हें बाड़ी पर जाना होगा।

(२) ☐ यहाँ भेजते समय क्या कहा था ?

(३) ☐ पता चला कि ईच्छाराम तो वहाँ नहीं है!

(४) ☐ घनश्याम वास्तव में परब्रह्म हैं।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☐ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ६ गुण - ६		नाम

प्र. ६ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. दोनों मौसियों ने भक्तिमाता से शिकायत की।

....

....

....

....

.... गुण : २

२. भक्तिमाता घनश्याम की मूर्ति के ध्यान में तल्लीन हो गई।

....

....

....

....

.... गुण : २

३. हाथी ने महावत को अपनी सूंड़ में लपेट लिया।

....

....

....

....

.... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ९		नाम

विभाग - २ : योगीजी महाराज

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''स्वामिनारायण नाम से मन्त्र जाप से ज़हरीले साँप का भी विष उतर जाएगा।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

.....

..... गुण : ३

२. ''ऐसे रोनेवाले बच्चों को लेकर तुम काम पर क्यों आती हो?''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

.....

..... गुण : ३

३. ''मेरी तबियत अच्छी नहीं है।''

कौन कहता है? ..... किसको कहता है? .....

कब कहता है? .....

.....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ४)

१. राजपूत भक्त को कृष्णचरणदास स्वामी ने क्या कहा? गुण : १

.....

.....

२. गायों को चराने के बाद मन्दिर लौटते वक़्त जीणाभाई क्या लेकर आते? गुण : १

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ४		नाम	प्र - ९ गुण - ६		नाम

३. लोधिका में कृष्णचरणदास स्वामी ने सन्तों को क्या उपदेश दिया? | गुण : १ |

.....

.....

४. राजकोट में झीणा भगत कहाँ जाने का निमित्त बना कर किस के धर गए? | गुण : १ |

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ९ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए। (कुल गुण : ६)

विषय : मुझे साधु बनाइये

१. वावड़ी से पानी निकालकर सब सन्तों को नहलाते थे।

२. झीणाभाई सन्तों की सेवा करते थे, यह देखकर कृष्णचरणदास स्वामी बहुत खुश हो गए।

३. हाँ, महाराज आप मुझे साधु बनाएँ तो बड़ी कृपा होगी।

४. पार्षद बनकर मैं आपकी और ठाकुरजी की सेवा करना चाहता हूँ।

५. एक दिन कृष्णचरणदास स्वामी ने झीणाभाई को प्रसाद दिया और पूछा, 'झीणा! साधु बनोगे?'

६. वे सवेरे से लेकर देर रात तक उनकी सेवा करते थे।

७. तुम्हारे पिता की इच्छा अवश्य पूरी होगी।

८. झीणाभाई के वैराग्य को देखकर सभी साधु-सन्त प्रसन्न होकर उन्हें आशीर्वाद देते थे।

९. वहाँ जो साधु-सन्त पधारते थे, उनकी सेवा भी वही करते थे।

१०. जूनागढ़ से पूज्य माधवचरणदास स्वामी, सन्त मण्डली के साथ धारी गाँव में पधारे।

११. कृष्णचरणदासजी के आनन्द कि कोई सीमा न रही।

१२. मन्दिर में झाड़ू लगाकर आसन बिछा देते थे।

(१) केवल सही क्रमांक ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ | गुण : ३ |

(२) यथार्थ घटनाक्रम ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ | गुण : ३ |

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ५		नाम

प्र.१० निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए। (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. पूज्य प्रमुखस्वामी महाराज　　२. कृष्णजी अदा के आशीर्वाद

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ६		नाम

प्र.११ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. दाजीबापू ने साधुओं को उलहना दी। गुण : २

.....

.....

.....

.....

.....

.....

२. योगीजी महाराज महाराजा साहब का जुलूस देखने न गए। गुण : २

.....

.....

.....

.....

.....

.....

३. योगीजी महाराज को गोंडल से मुंबई लाया गया। गुण : २

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		नाम

विभाग - ३ : किशोर सत्संग प्रारंभ

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ४)

१. बालभक्त के पिता को क्यों क्रोध आया? गुण : १

.....

.....

.....

२. भगवान को प्रसन्न करने के लिए क्या करना चाहिए? गुण : १

.....

.....

.....

३. सत्संगी बच्चे किसकी दोस्ती नहीं करते? गुण : १

.....

.....

.....

४. भगुजी को कितने घाव हुए थे? गुण : १

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. गंगा माँ गुण : २

(१) ☐ श्रीहरि सबसे पहले गंगा माँ के घर पधारे।

(२) ☐ आत्मानंद स्वामी के शिष्य सहजानंद स्वामी थे।

(३) ☐ मैं तो केवल डुगडुगिया बजाता था।

(४) ☐ वणिक गंगा माँ।

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - ८		नाम	प्र - १४ गुण - ४		नाम

२. सामत पटेल | गुण : २ | |

(१) ☐ संत की इच्छा के अनुकूल ही बरतते हैं।

(२) ☐ श्रीहरि के दर्शन के लिए गढ़डा पहुँचे।

(३) ☐ साड़े चार मन अनाज लेकर आ पहुँचे।

(४) ☐ राजगीर मिस्त्रियों के भोजन के लिए रुपये की आवश्यकता।

३. नाथ भक्त | गुण : २ | |

(१) ☐ पत्नी को ले जाने के लिए श्रीहरि दिव्यरूप धारण करके पधारे थे।

(२) ☐ पुत्र सत्रह साल की उम्र में चल बसा।

(३) ☐ पुत्र चल बस ने पर मुहल्ले में शक्कर बाँटी।

(४) ☐ कापड बेचने का कारोबार किया करते थे।

४. बालमंडल की सभा में बर्ताव। | गुण : २ | |

(१) ☐ सबसे आगे आसन ग्रहण करें।

(२) ☐ पूरे शिष्टाचार के साथ उत्तर देना चाहिए।

(३) ☐ बड़ाई हांकना – शेखी वधारना ठीक नहीं है।

(४) ☐ पंक्तिबद्ध खड़े होकर क्रम के अनुसार पानी पीना चाहिए।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। (कुल गुण : ४)

१. शास्त्रीजी महाराज का जन्म संवत् .... माध शुकला .... के दिन हुआ था। | गुण : १ | |

२. एक सन्त ने .... को गेहूँ का .... दिया। | गुण : १ | |

३. लुटेरा .... को .... ने सत्संगी बना दिया। | गुण : १ | |

४. पूजा डोडिया .... गाँव के .... भक्त थे। | गुण : १ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १५ गुण - ८		नाम

प्र.१५ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक की अपूर्ण पंक्तियों की पूर्ति कीजिए। (कुल गुण : ८)

१. हम तो हैं श्रीजी के .....

.....

.....

.....

..... गुणातीत स्वामी। गुण : २

२. श्रीमन्निर्गुणमूर्ति .....

.....

.....

.....

.....

..... सदा भाव से॥ गुण : २

३. गेहूँ की .....

.....

.....

.....

.....

..... तुम काजे। गुण : २

४. स्वस्थानं गच्छ .....

.....

.....

.....

.....

..... पुनरागमनाय च॥ गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १६ गुण - ५		नाम

प्र.१६ 'करोड़ काम बिगाड़कर.....' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए।**
(पंद्रह पंक्तियाँ) (कुल गुण : ५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १७ गुण - ५		नाम

प्र.१७ 'प्रार्थना' - **प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए।**
(लगातार विवरण आवश्यक नहीं है।) (कुल गुण : ५)

१. .....

.....

.....

.....

२. .....

.....

.....

.....

३. .....

.....

.....

.....

४. .....

.....

.....

.....

५. .....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**